पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज

एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आर्थिक समृद्धि हेतु लाख की खेती'

पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज के तत्वावधान में माघ मेला स्थित वानिकी चेतना शिविर में **आर्थिक समृद्धि हेतु लाख की खेती** विषय पर ग्रीन गोल्ड फार्मर्स कोआपरेटिव्स प्रयागराज के साथ संयुक्त रुप से 12.02.2021 को एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रयागराज के कोराव क्षेत्र की महिला कृषकों ने विशेष रुप से भाग लिया।

स्वागत भाषण में डा॰ संजय सिंह, केन्द्र प्रमुख ने उत्तर प्रदेश में लाख की खेती को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिसमे प्रयागराज, मिर्जापुर और सोनभद्र जिलो के कृषकों का योगदान महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि इसमें कम समय में तैयार होने वाले सेमियालता पौधे पर लाख की सघन खेती उपयोगी होगी। श्री बशारत खान ,ग्रीन गोल्ड फार्मर्स कोआपरेटिव्स प्रयागराज के मुख्य कार्यकारी द्वारा बेर और पलाश वृक्षों पर लाख की खेती करने की तकनीक बतायी गयी । वही डा॰ कुमुद दुबे, वैज्ञानिक द्वारा लाख के विभिन्न उत्पादों पर विस्तृत चर्चा की गयी।

कार्यक्रम संचालक डा॰ अनुभा श्रीवास्तव, वैज्ञानिक द्वारा कृषि वानिकी में लाख की खेती योग्य वृक्षो को समायोजित कर आर्थिक लाभ प्राप्त करने पर व्याख्यान दिया गया । डा॰ एस डी शुक्ला, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी द्वारा अधिक लाभ तथा उन्नत किस्म के लाख हेतु कुसुम के वृक्षों का महत्व बताया गया । कार्यक्रम में 50 कृषक, तीर्थयात्री तथा केद्र के शोधार्थियों ने भाग लिया।

अमर उजाला प्रयाग

न्यूज डायरी

आर्थिक रूप से संपन्न बनाएगी लाख की खेती

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र में शुक्रवार को आयोजित वानिकी चेतना शिविर में किसानों को लाख की खेती करने के गुर सिखाए गए। दूर-दूर से आए किसानों को प्रशिक्षण देकर आर्थिक संपन्नता के लिए लाख की खेती करने को प्रेरित किया गया। पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र के तत्वावधान की ओर से आयोजित शिविर में ग्रीन गोल्ड फार्मर्स कोआपरेटिव के विशेषज्ञों ने लाख की खेती का प्रशिक्षण देते हुए मिर्जापुर, सोनभद्र के साथ स्थानीय किसानों को बताया कि लाख की खेती कम समय में कर ज्यादा मुनाफा कमाया जा सकता है। कोआपरेटिव के बशारत खान ने बेर और पलाश के पेड़ों पर लाख की खेती करने की तकनीक बताई। साथ ही उत्पादन, विपणन और लाख वस्तुओं के निर्माण की जानकारी देकर बाजार के बारे में बताया। इस मौके पर केंद्र के संजय सिंह के साथ 50 से अधिक किसान, विशेषज्ञ शोधार्थी आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

वानिकी चेतना शिविर में प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते डा. संजय सिंह • जागरण

लाख की खेती को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता

प्रयागराज : पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से माघ मेला क्षेत्र स्थित वानिकी चेतना शिविर में आर्थिक समृद्धि के लिए लाख की खेती विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्र प्रमुख डा. संजय सिंह ने कहा कि यूपी में लाख की खेती को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वहीं ग्रीन गोल्ड फार्मर्स कोआपरेटिव के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बशारत खान ने बेर और पलाश वृक्षों पर लाख की खेती करने की तकनीक बताई। वैज्ञानिक डा. कुमुद दुबे ने लाख के विभिन्न उत्पादों पर चर्चा की। संचालक डा. अनुभा श्रीवास्तव व तकनीकी अधिकारी डा. एसडी शुक्ला ने आर्थिक लाभ और उन्नत किस्म के लाख के लिए कुसुम के वृक्षों का महत्व बताया। इस दौरान चाली मिश्रा, विनय के अलावा कोरांव, मिर्जापुर और सोनभद्र के महिला किसानों ने भाग लिया। जासं